Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 0 3 3 1 8

PAPER - II
DOGRI

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32**

Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of hundred multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में सौ बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

DOGRI

डोगरी

Paper - II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **hundred (100)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

निर्देश : इस पेपर च **सौ (100)** मते विकल्पी सुआल न। हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न। **सभनें** सुआलें दे परते देओ।

1. प्राकृत भाशाएं दी त्री अवस्था :

(a) गी अपभ्रंश गलाया जंदा ऐ।

(b) थमां आधुनिक भारती आर्य भाशाएं दा विकास होआ।

(c) साहित्य दी भाशा नेईं बनी सकी।

(d) दा साहित्यक भाशा दे रूपा च खासा विस्तार हा।

कोड :

(1) (b) ते (d) ठीक न।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(4) (a) ते (d) ठीक न।

2. ''शब्दानुशासन'' ग्रंथ :

(a) दे रचेता इक जैनी साधु हेमचंद्र हे।

(b) दे सूत्रें दी संख्या 3940 ऐ।

(c) च प्राचीन भारतीय भाशाएं दी व्याकरणिक संरचना बारै बी सूत्र संकलत न।

(d) च उस बेल्ले दियें जनभाशाएं बारै सुंदर विवेचन मिलदा ऐ।

कोड :

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(2) (a) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न।

(4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

3. पैह्ली **चंदी** च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई **चंदी** च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	जर्मन	(i)	सतम्
(b)	फ्रेंच	(ii)	स्तो
(c)	रूसी	(iii)	केंत
(d)	अवेस्ता	(iv)	हुंद

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

4. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	शिक्षा	(i)	वैदिक शब्दें दा संग्रैह्
(b)	व्याकरण	(ii)	पदें ते वाक्यें दी रचना
(c)	निरुक्त	(iii)	ध्वनियें दा उच्चारण
(d)	निघंटु	(iv)	शब्दें दी व्युत्पत्ति

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

5. 'काशिका विवरण पंजिका' 'महाभाष्य प्रदीप', 'उद्योत' ते 'महाभाष्य दीपिका' ग्रंथें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे रचनाकारें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) भर्तृहरि, जिनेंद्र बुद्धि, कैय्यट ते नागेश भट्ट

(2) नागेश भट्ट, जिनेंद्र बुद्धि, भर्तृहरि ते कैय्यट

(3) जिनेंद्र बुद्धि, कैय्यट, भर्तृहरि ते नागेश भट्ट

(4) जिनेंद्र बुद्धि, कैय्यट, नागेश भट्ट ते भर्तृहरि।

6. शब्दकोश त्यार करदे मौकै उस च पर्याय-व्याख्या, व्याकरणिक जानकारी, उच्चारण ते व्युत्पत्ति देने आस्तै कोश निर्माण-प्रक्रिया मूजब इ'नें चरणें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) उच्चारण, व्याकरणिक जानकारी, व्युत्पत्ति ते पर्याय-व्याख्या

(2) उच्चारण, व्युत्पत्ति, व्याकरणिक जानकारी ते पर्याय-व्याख्या

(3) व्याकरणिक जानकारी, पर्याय-व्याख्या, उच्चारण ते व्युत्पत्ति

(4) पर्याय-व्याख्या, उच्चारण, व्युत्पत्ति ते व्याकरणिक जानकारी

7. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) भाशां दे उत्तरोत्तर विकास करी अभिव्यक्ति दी सूखमता औंदी जंदी ऐ ते शब्दें दे अर्थ-संकोच दियां संभावनां बधदियां जंदियां न।

(R) तेल, स्याही, तातो, पीठम्-पीढ़ी आदि अर्थ संकोच दे चेचे उदाहरण न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

8. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) महाराजा रणवीर सिंह दे राजकाल च फारसी भाशा दे कन्नै-कन्नै डोगरी बी राजभाशा ही।

(R) महाराजा ने इस भाशा च मौलिक साहित्य सिरजन दे राहें इसगी साहित्यक भाशा बनाने बक्खी बी खास ध्यान दित्ता।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

9. पाणिनि दे 'अष्टाध्यायी' गी इन्सानी सूझ-बूझ दा सारें शा बड्डा चमत्कार गलाए दा ऐ :

(1) आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा ने

(2) ब्लूम फील्ड ने

(3) ब्लाक ऐंड ट्रेगर ने

(4) के.एल. पाईक ने

10. बक्ख-बक्ख भाशाएं च इक वस्तु आस्तै बक्ख-बक्ख नाएं दी बरतून दा कारण भाशाएं च :

(1) नियमें दी पाबंदी दा होना ऐ। (2) शब्द ते अर्थ मझाटै सरबंध दा होना ऐ।

(3) वैज्ञानिकता दा होना ऐ। (4) यादृच्छकता दे गुण दा होना ऐ।

11. यौगक संबंध सूचक अव्यय न :

(a) थाह्र, लेखै, नमित्त, निस्बत (b) साथें, स्हारै, रैह्त, आंगू

(c) बगैर, सवाऽ, घोड़ी, तगर (d) उल्ट, खलाफ, जनेहा, बरूद्ध

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (d) ठीक न। (4) (a) ते (c) ठीक न।

12. ''पराने डोगरे'' नांऽ कन्नै जानी जाने आह्ली ''डोगरा अक्खर'' लिपि च :

(a) वर्णें दी कुल संख्या 43 ऐ (b) मात्रा चि'न्नें दी व्यवस्था कीती गेदी ऐ।

(c) स्वर-मात्राएं दे थाह्र मूल स्वर बरतोंदे हे। (d) उ-ऊ ते ओ-औ आस्तै इक्कै-इक्कै चि'न्न हा।

कोड :

(1) (b) ते (d) ठीक न। (2) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (c) ते (d) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

13. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	सम्हालना	(i)	प्रेरणार्थक क्रिया
(b)	खाना	(ii)	क्रियार्थक संज्ञा
(c)	बलोहाना	(iii)	क्रियाविशेशात्मक प्रयोग
(d)	दिखदै-दिखदै	(iv)	नामधातु

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

14. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	की जे	(i)	परिणाम सूचक
(b)	तां गै	(ii)	विकल्प सूचक
(c)	नां-नां	(iii)	यौगिक समुच्चय बोधक
(d)	गै नेईं-बी	(iv)	कार्य-कारण सूचक

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

15. लिंग-ज्ञान सैह्ज प्रयोग दे आधार होंदा ऐ, लिंग-ज्ञान वाक्य च प्रयुक्त क्रिया दे रूप थमां होंदा ऐ, लिंग-वचन रूपायन थमां मुक्त ऐ ते भावें - मनोभावें दी सूचना दिंदा ऐ-व्याकरणिक विशेशताएं दे इस क्रम दे अधार उप्पर इं'दे वाक्भागें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) द्रव्य वाचक संज्ञा, सर्वनाम, क्रियाविशेशन ते विस्मय बोधक अव्यय

(2) सर्वनाम, द्रव्यवाचक संज्ञा, विस्मय बोधक अव्यय ते क्रियाविशेशन

(3) क्रिया विशेशन, द्रव्यवाचक संज्ञा, सर्वनाम ते विस्मयबोधक अव्यय

(4) विस्मयबोधक अव्यय, क्रियाविशेशन, सर्वनाम ते द्रव्यवाचक संज्ञा

16. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) भाववाचक संज्ञाएं च लिंग-रूपायन होंदा ऐ।

(R) भाववाचक संज्ञां स्त्रीलिंग ते पुलिंग दौनें रूपें च प्रयुक्त होंदियां न। 'हिरख' ते 'संदोख' पुलिंग संज्ञां न ते 'सुक्खन' ते 'पीलतन' स्त्रीलिंग

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

नोट : ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ो ते उसदे हेठ दित्ते दे सुआलें दे जवाब देओ।

शब्दें गी वाक्य च बरतोने दी समर्था हासल करने आस्तै केईं चाल्ली दियें व्याकरणिक कोटियें आस्तै रूपायन दी प्रक्रिया चा गुजरना पौंदा ऐ। रूपायन युक्त शब्दें गी पद गलाया जंदा ऐ। सरल कारक च इकवचनी रूपें च शून्य प्रत्यय लग्गने करी पद ते शब्द मझाटै फर्क सेही नेईं होंदा। जि'यां डिक्शनरी च पेदा ''गौ'' शब्द ''शब्द'' ऐ ते ''गौ घा चरा करदी ऐ।'' वाक्य च बरतोए दा 'गौ' पद ऐ। की जे एह्दे च लिंग, वचन, कारक विशयक रूपायन मौजूद ऐ। ''गवै'' आखने कन्नै तिर्यक् कारक इकवचन दी सूचना मिलदी ऐ ते ''गवें'' कन्नै बहुवचन दी। इस्सै चाल्ली समनें स्त्रीलिंग ते पुलिंग नामपदें च लिंग, वचन ते कारक आस्तै रूपायन दे अपने नियम ते प्रत्यय लगदे न। मती सारियें स्त्रीलिंग अकारांत संज्ञाएं गी तिर्यक् इकवचन आस्तै ''-ऊ'' प्रत्यय लगदा ऐ, जि'यां 'खंड' थमां 'खंडू' ते 'पित्तल' थमां 'पित्तलू' लगभग समनें प्राणीवाचक संज्ञाएं च संबोधन कारक आस्तै बी रूपायन होंदा ऐ। 'कुड़िये' इकवचन च ते 'कुड़ियो' बहुवचन च। पुलिंग शब्दें च संबोधन रूपायन दो चाल्ली दा ऐ। आकारान्त शब्दें गी इकवचन आस्तै ''-एआ'' ते बहुवचन आस्तै ''-एओ'' प्रत्यय लगदे न। बाकी सभनें पुलिंग नामपदें गी इकवचन लेई '-आ' ते बहुवचन लेई ''-ओ'' प्रत्यय लगदे न।

17. वाक्य च बरतोने आस्तै शब्दें गी गुजरना पौंदा ऐ :

(1) व्याकरणिक-व्यवस्था चा (2) रूपायन - प्रक्रिया चा

(3) नामपद - प्रक्रिया चा (4) आख्यात्तपद - प्रक्रिया चा

18. वाक्य च बरतोने आह्ले वाक्भागें गी संज्ञा दित्ती जंदी ऐ :

(1) पद (2) नामपद (3) आख्यातपद (4) समास

19. इं'दे च संबोधन-कारकीय रूप ऐ :

(1) गवै (2) गवें (3) मालको (4) जागतें

20. ''सस्सू'' पद ऐ :

(1) सरल कारक, इकवचनी (2) तिर्यक् कारक, इकवचनी

(3) संबोधन कारक, इकवचनी (4) बिजन रूपायन मूल रूपी

21. किशन स्मैलपुरी हुंदी इक ग़ज़ल दा शेऽर ऐ :

चतरू गी गला करदे हे कल मामा मसां होर।

कटड़े थमां बधियै निं कुतै होना ग्रांऽ होर।

(a) इस शेऽर दे दौन्नें मिसरें च 'होर' शब्द दी बरतून होई दी ऐ।

(b) पैह्ले होर दा प्रयोग आदर सूचक अव्यय ते दुए दा अन्य पुरश आस्तै कीता गेदा ऐ।

(c) एह् अदबी अवगुण ऐ।

(d) एह् अदबी गुण ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) सिर्फ (a) ते (c) ठीक न। (4) सिर्फ (b) ते (d) ठीक न।

22. बा अदब समें दे पारखियो

बे अदबी अक्सर दोई जंदी

पत्थर उस'लै परसिज्जलदे

जिस'लै कोई लाश टंगोई जंदी ऐ।

काव्यबंद:

(a) दे कवि यश शर्मा न। (b) दे कवि मधुकर न।

(c) च कटाक्ष दा सुर मुखरत ऐ। (d) च रौद्र रस दी प्रधानता ऐ।

कोड :

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) सिर्फ (a) ते (c) ठीक न। (4) सिर्फ (b) ते (d) ठीक न।

23. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	वियोग शंगार	(i)	मेरी पत तेरे हत्थ
(b)	भगती रस	(ii)	सुरगा दी गल्ल
(c)	प्रकृति चित्तरण	(iii)	चिड़िये कालड़िये
(d)	देस-प्रेम	(iv)	बदलियां

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

24. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	मेरी जुस्तजू गै रियाज ऐ, मेरी जिंदगी गै बियाज ऐ।	(i)	शिवराम दीप
(b)	मछुए गी जेह्ड़ा छल्ल बंगारदा रेहा, उ'ऐ कलावा देई करी, उसी तारदा रेहा।	(ii)	रामलाल शर्मा
(c)	पल-पल जड़े बसोंदे पैर। तौले द्हानू होंदे पैर।।	(iii)	रामनाथ शास्त्री
(d)	ओह्बी पीड़ भला केह् होई। जेह्ड़ी आखन जाग भलोई।	(iv)	वेदपाल दीप

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

25. हेठ दित्ती गेदी काव्य पुस्तकें दा – गीत, चमुखा, लघुकाव्य ते लम्मी कविता – विधा दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) कितर-कितर कालजा, जो तेरे मन चित्त लग्गी जा, तंदां ते चाननी।

(2) जो तेरे मन चित्त लग्गी जा, तंदां, चाननी ते कितर-कितर कालजा।

(3) कितर-कितर कालजा, जो तेरे मन चित्त लग्गी जा, चाननी ते तंदां।

(4) जो तेरे मन चित्त लग्गी जा, कितर-कितर कालजा, चाननी ते तंदां।

26. संकलन, संग्रैह, अध्यात्मक काव्य ते प्रबंधकाव्य दे स्हाबें हेठ दित्ती गेदी पद्य पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) जागो डुग्गर, अमृत वर्षा, धरती दा रिण ते न्यांऽ

(2) जागो डुग्गर, धरती दा रिण, अमृत वर्षा ते न्यांऽ।

(3) न्यांऽ, जागो डुग्गर, धरती दा रिण, ते अमृत वर्षा।

(4) धरती दा रिण, अमृत वर्षा, न्यांऽ ते जागो डुग्गर।

27. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी कविता च देश भक्ति दे चित्तरण दी प्रधानता इस गल्लै दा प्रमाण ऐ जे डोगरी लेखकें मातृभाशा पास्सै रजूह् कीता।

(R) मते सारे दूइयें भाशाएं दे लेखकें बीह्मीं सदी दे पञ्जमें में द्हाके च डोगरी कविता पास्सै रूझान कीता।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

28. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी कविता पर समाजक, राजनैतिक, धार्मिक ते आर्थिक परिस्थितियें दा गैह्रा प्रभाव ऐ।

(R) समाज सुधार ते देस-प्रेम दा जज्बा मैह्ता मथरादास, दीनू भाई पंत ते शम्भुनाथ हुंदी कविता च काफी मता ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

29. कवि दत्तु दी रचना 'वीर विलास' :

(1) खड़ी बोल्ली च रची गेदी ऐ। (2) अवधी भाशा च रची गेदी ऐ।

(3) महाभारत दे द्रोणपर्व दा अनुवाद ऐ। (4) ब्रज राज पंचासिका दा अनुवाद ऐ।

30. इं'दे च कविता संकलन न :

(1) पद्म गोखड़ू , चन्न धरती दा, हांब ते मानस मोती।

(2) कीजे, बक्खरे-बक्खरे रंग, कुंगली आस ते मौन लकीरां।

(3) त्रेढे पैंडे, बदलोंदियां ब्हारां, चेतें दी र्‌होल, ते कूले भाव।

(4) सुक्का सौन, बास धरती दी, कस्तूरी हिरन ते शब्द-शब्द सरमत्थ।

31. 'अर्थवर्क' क्हानी :

(a) दा मुक्ख पात्तर रहीम ऐ। (b) दा मुक्ख पात्तर बशीर ऐ।

(c) च आतंकवाद दी समस्या ऐ। (d) च रिश्वतखोरी ते भ्रश्टाचारी दी समस्या ऐ।

कोड :

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

32. पत्थर ते रंग उपन्यास च :

(a) कलात्मक भावें दा समन्वय ऐ। (b) विचारात्मक भावें दा समन्वय ऐ।

(c) निस्वार्थ दा भाव प्रबल ऐ। (d) आपसी मेल-व्यवहार दी कमी दा वर्णन ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

33. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	बजारवाद दा प्रभाव	(i)	कीडा
(b)	पलायनवाद दी समस्या	(ii)	तांडव
(c)	बेरुजगारी दी समस्या	(iii)	नंगीतार
(d)	हिरख-प्यार	(iv)	बर्फ

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

34. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	नीला कमल	(i)	चन्नों
(b)	उमराओ जान	(ii)	धनिया
(c)	गोदान	(iii)	मंगला देवी
(d)	मैली जनेई इक चादर	(iv)	रुसवा

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

35. साहित्य अकादेमी पासेआ पुरस्कृत क्हानियें दी पुस्तकें दा पुरस्कार प्राप्त ब'रे 1976, 1986, 2000 ते 2010 दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) बदनामी दी छांऽ, मील पत्थर, सुन्ने दी चिड़ी ते पंद्रां क्हानियां।

(2) सुन्ने दी चिड़ी, मील पत्थर, बदनामी दी छांऽ ते पंद्रां क्हानियां।

(3) बदनामी दी छांऽ, सुन्ने दी चिड़ी, मील पत्थर ते पंद्रां क्हानियां।

(4) सुन्ने दी चिड़ी, बदनामी दी छांऽ, मील पत्थर ते पंद्रां क्हानियां।

36. प्रकाशन ब'रे 2012, 2013, 2015 ते 2016 दे स्हाबें हेठ दित्ते गेदे उपन्यासें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) गायत्रो, जंगल च मंगल, अनंत ते भगाली।

(2) गायत्रो, भगाली, जंगल च मंगल ते अनंत।

(3) अनंत, भगाली, जंगल च मंगल ते गायत्रो।

(4) गायत्रो, जंगल च मंगल, भगाली ते अनंत।

37. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) फुल्ल बिना डाल्ली उपन्यास परिवारक द्वंद दी तस्वीरकशी करदा लभदा ऐ।

(R) इसदे सारे पात्तर सकारात्मक दिशा च संघर्श करदे लभदे न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

38. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) द्रेड़ ते सांझी धरती बखले माह्नू उपन्यास युद्ध दी पृश्ठभूमि पर लिखे गेदे न। एह् दमै उपन्यास तत्कालीन समाजी परिस्थितियें दी अक्कासी करदे न।

(R) द्रेड़ उपन्यास दा कथानक समाजी-परिवारक वातावरण दा चित्तरण करदा ऐ ते सांझी धरती बखले माह्नू उपन्यास दा कथानक युद्ध दे दुश्परिणामें दे कन्नै मह्जबी दीवार दे खड़ोने दी गल्ल करदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

39. इं'दे चा प्रो. रामनाथ शास्त्री अवार्ड प्राप्त क्हानी संग्रैह् ऐ :

(1) सतरंगी पींघ (2) चिट्टा कालर

(3) खौद्दल (4) किंगरे दा रुक्ख

40. 'वीर जसरथ खोखर' उपन्यास :

(1) समाजक दस्तावेज ऐ। (2) इतिहासक पछौकड़ दा ऐ।

(3) यथार्थवादी ऐ। (4) प्रतीकात्मक ऐ।

41. 'जम्मू दा पराना रंगमंच' :

(a) संस्मरणात्मक निबंध ऐ

(b) विश्वनाथ खजूरिया हुंदी रचना ऐ

(c) श्याम लाल हुंदी रचना ऐ

(d) च श्री रघुनाथ थिएटरीकल कम्पनी दी चर्चा कीती गेदी ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

42. 'पाले पसोते ठंडे ठिल्लू' :

(a) व्यंग लेख ऐ।

(b) यात्रा लेख ऐ।

(c) च मसूरी प्रशासनिक अकैडमी दा जिकर ऐ।

(d) लेख च चित्रात्मक शैली बरतोई दी ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

43. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	रामनगर थमां बसैंतगढ़ दी यात्रा	(i)	मनुक्ख कैह्दे ताईं जींदा ऐ
(b)	मजोड़ी लाके दी यात्रा	(ii)	मित्तर प्यारे दा देश
(c)	रामनगर थमां स्योज धार दी यात्रा	(iii)	प्हाड़ी यात्रा
(d)	सोवियत संघ दी यात्रा	(iv)	ओह् इक सफर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

44. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	श्रीनगर हस्पतालै दा जिकर आए दा ऐ	(i)	किश पराने चेते
(b)	कोपन हैगन दा जिकर होए दा ऐ	(ii)	इक सम्हाल
(c)	करूणामयी ते ममतामयी नानी	(iii)	जजूली
(d)	साहित्यिक आलोचना दी जवाज़ियत	(iv)	चेते

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

45. क्रम दे स्हाबें 'सुहाना सफर', 'चेते स्वीडन दे', 'कलयुगी रामराज' ते 'प्राचीन दी मैह्मा' नांऽ दे निबंधें दे रचनाकारें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) रामलाल शर्मा, ललित मगोत्रा, बंधु शर्मा ते बालकृष्ण शास्त्री

(2) बालकृष्ण शास्त्री, रामलाल शर्मा, ललित मगोत्रा ते बंधु शर्मा

(3) ललित मगोत्रा, बंधु शर्मा, रामलाल शर्मा ते बालकृष्ण शास्त्री

(4) रामलाल शर्मा, ललित मगोत्रा, बालकृष्ण शास्त्री ते बंधु शर्मा

46. क्रम दे स्हाबें ओ.पी. शर्मा 'सारथी', ध्यान सिंह, मनोज निश्चिंत ते सत्यपाल श्रीवत्स हुंदियें गद्य पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) लोक लेखै, मंथन, सोच सिर्जना, राम रचना

(2) मंथन, लोक लेखै, राम रचना, सोच सिर्जना

(3) राम रचना, सोच सिर्जना, मंथन, लोक लेखै

(4) सोच सिर्जना, मंथन, राम रचना, लोक लेखै

47. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) इक सफल निबंध च कल्पना तत्त्व, रागात्मक तत्त्व, बुद्धि तत्त्व ते शैली तत्त्व दा समावेश होंदा ऐ।

(R) वर्णनात्मक ते विवरणात्मक निबंधें च कल्पना तत्त्व दी प्रधानता होंदी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

48. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) भावात्मक निबंधें च बुद्धितत्त्व दी कमी नेईं होंदी ऐ।

(R) भावात्मक निबंध विक्षेप-शैली च लिखे जंदे न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

49. ओ.पी. शर्मा 'सारथी' हुंदे संस्मरणात्मक, यात्रा लेखें ते ललित निबंधें दा संकलन ऐ :

(1) मंथन (2) कुदरत दे रंग (3) डोगरी ललित निबंध (4) सोच-सिर्जना

50. जोशीमठ ते बद्रीनाथ थाह्रें दा जिकर होए दा ऐ :

(1) 'सफर ते सफर' लेख च (2) 'यात्रा-जीवन यात्रा' लेख च

(3) 'पैरें दी खुं'झ क्रोहें दा फेर' लेख च (4) 'देस बगान्नै कीऽ चली एं? लेख च

51. गलेडियेटर :

(a) इक-पात्री एकांकी ऐ।

(b) मदन मोहन शर्मा दी रचना ऐ।

(c) मोहन सिंह दी रचना ऐ।

(d) रंगमंची नाटक ऐ।

कोड :

(1) (a) ते (b) ठीक न। (2) (a) ते (c) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (c) ते (d) ठीक न।

52. 'गुंझल' ते 'आसरा' :

(a) रेडियो नाटक न।

(b) रंगमंची नाटक न।

(c) बाल नाटक न।

(d) दे रचेता सुदर्शन रत्नपुरी ते ज्ञान सिंह 'पगोच' होर न।

कोड :

(1) (a) ते (b) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a) ते (d) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।

53. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	देवयानी ते कच दे प्रेम-प्रसंग	(i)	काल चक्कर
(b)	जक्का ते चक्का दी गुंडागर्दी	(ii)	अपने जाल शकार बी आंपू
(c)	शिक्षा दा महत्त्व	(iii)	देव पुत्तर
(d)	होनी अग्गै लाचारी	(iv)	धारां गूंजी पेइयां

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

54. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	राजा बासक	(i)	आन-मर्यादा
(b)	त्रिड्डू	(ii)	पिंड कुन्नै जुआड़ेआ
(c)	कालीदास	(iii)	बावा सुरगल
(d)	हैंसनी	(iv)	मल्लिका

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

55. नाटककार नरेन्द्र खजूरिया, देशबंधु डोगरा 'नूतन', मधुकर ते जितेन्द्र शर्मा हुंदे मताबक इं'दियें नाट्य कृतियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) सरूर, हिजरत, लैह्रां, सुर-सम्राट
(2) लैह्रां, हिजरत, सुर-सम्राट, सरूर
(3) हिजरत, सरूर, लैह्रां, सुर-सम्राट
(4) सुर-सम्राट, हिजरत, लैह्रां, सरूर

56. प्रकाशन ब'रै दे स्हाबें चौसर, यात्रू, अंगारें दी लोऽ ते पंजरंग पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) पंजरंग, यात्रू, अंगारें दी लोऽ, चौसर
(2) यात्रू, पंजरंग, अंगारें दी लोऽ, चौसर
(3) चौसर, यात्रू, पंजरंग, अंगारें दी लोऽ
(4) अंगारें दी लोऽ, यात्रू, पंजरंग, चौसर

57. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) रंगमंची नाटक गी रेडियाई नाटक च बदलना औखा ऐ पर ना-मुम्किन नेईं ऐ।

(R) रंगमंची नाटक दी सफलता ओह्दे मंचन पर निर्भर करदी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।
(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

58. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डुग्गर च लोक-नाट्य परम्पराएं दा बड़ा भरे-भरोचे दा ते समृद्ध खजाना ऐ।

(R) लोक नाटकें दे विशें ते शैलियें डोगरी नाटककारें दे लेखन गी प्रभावित कीता ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

59. 'कर्मजोगी' नाटक दा शासक अपने राज-जोतशी ते चापलूस सलाह्कारें दियें गल्लें च आइयै त्यार होई जंदा ऐ :

(1) दुए ब्याह् आस्तै
(2) नर-बलि आस्तै
(3) तीरथें जाने आस्तै
(4) शत्रु कन्नै युद्ध करने आस्तै

60. 'मुल्जम फरार' नांऽ दे नुक्कड़ नाटक दा विशे ऐ :

(1) बाल ब्याह् दी समस्या
(2) घरेलु हिंसा दी समस्या
(3) आतंकवाद दी समस्या
(4) चोरी दी समस्या

61. मन मेरे दे मानसरै इच,
खूब तरन मरगाइयां पीड़ां।

(a) उपचार वक्रता दा उदाह्रण ऐ।
(b) रूपक अलंकार दा उदाह्रण ऐ।
(c) अनुप्रास अलंकार दा उदाह्रण ऐ।
(d) संवृति वक्रता दा उदाह्रण ऐ

कोड :

(1) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(2) (a), (b) ते (c) ठीक न।
(3) (a), (b) ते (d) ठीक न।
(4) (c) ते (d) ठीक न।

62. प्रतीक :

(a) च रहस्यात्मक गुणें दी कमी बनी रौंह्दी ऐ।
(b) च अमूर्त दा मूर्त कन्नै बराबरी दा नाता जोड़ेआ जंदा ऐ।
(c) च अभिव्यक्ति लक्षणात्मक ते व्यंञ्जनात्मक शैली च होंदी ऐ।
(d) च कुसै अव्यक्त दी प्रचलत पर दूई अभिव्यक्ति ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न।
(2) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(3) (a) ते (b) ठीक न।
(4) (c) ते (d) ठीक न।

63. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	मम्मट	(i)	अलंकारवादी
(b)	महिम भट्ट	(ii)	ध्वनिवादी
(c)	उद्भट	(iii)	वक्रोक्तिवादी
(d)	बाणभट्ट	(iv)	ध्वनिविरोधी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

64. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	प्लेटो	(i)	अभिव्यंजनावादी
(b)	जोला	(ii)	प्रतीकवादी
(c)	जीन मोरियस	(iii)	यथार्थवादी
(d)	फ्रायड	(iv)	आदर्शवादी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

65. 'लेख माला', 'साहें दे साह्' – 'डोगरी उपन्यासें च वर्ग संघर्श ते 'डोगरी साहित्य मेरी नज़री च' अलोचना दियें पुस्तकें दे क्रम दे स्हाबें इंदे अलोचकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चंचल भसीन, ज्ञानसिंह, अर्चना केसर ते नरसिंह देव जम्वाल

(2) अर्चना केसर, नरसिंह देव जम्वाल, चंचल भसीन ते ज्ञानसिंह

(3) नरसिंह देव जम्वाल, ज्ञानसिंह, चंचल भसीन ते अर्चना केसर

(4) ज्ञानसिंह, नरसिंह देव जम्वाल, चंचल भसीन ते अर्चना केसर

66. रुपक अलंकार दे भेदें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) साङ्ग, रूपकमाला, निरंग ते परम्परित

(2) निरंग, साङ्ग, परम्परित ते रूपकमाला

(3) रूपकमाला, साङ्ग, निरंग ते परम्परित

(4) परम्परित, साङ्ग, रूपकमाला ते निरंग

67. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जिस पाठक च सत्व गुण दी जिन्नी मती प्रधानता होग ओह् उन्ना गै मता रस प्राप्त करियै, लौकिक काव्य थमां अलौकिक आनन्द लेई सकदा ऐ।

(R) की जे ओह्दी आत्मा राग द्वेश कोला परें होंदी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

68. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अलंकार्य दे बगैर अलंकार दा अस्तित्व होई गै नेईं सकदा।

(R) पर अलंकार दे बगैर अलंकार्य होई सकदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

69. असें गी इक्कले मिलने दी कोई लोड़ नेईं, तेरे मेरे खामोश चेह्रें, सब गल्लां आखी लेइयां, सब गल्लां सुनी लेइयां।

(1) पर्याय वक्रता दा उदाह्रण ऐ। (2) उपचार वक्रता दा उदाह्रण ऐ।

(3) संवृति वक्रता दा उदाह्रण ऐ। (4) विशेषण वक्रता दा उदाह्रण ऐ।

70. 'अभिधावृतिमातृका' दे रचेता न :

(1) आनन्दवर्धन (2) मुकुलभट्ट (3) अभिनव गुप्त (4) पण्डितराज जगन्नाथ

71. लोक गाथाएं च :

(a) रचेता दा व्यक्तित्व प्रधान होंदा ऐ।

(b) प्रमाणिक मूलपाठ दी कमी होंदी ऐ।

(c) टेक पदें दी पुनरावृति नेईं होंदी।

(d) अलंकार विधान ते गुण-योजना दी कमी होंदी ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a) ते (b) ठीक न।

72. मुहावरे :

(a) दी अपनी कोई सुतैंतर सत्ता नेईं होंदी।

(b) च जनता दे जीवन दी झांकी दिक्खने गी मिलदी ऐ।

(c) च आए दे शब्दें दे पर्यायवाची शब्दें दा प्रयोग बी कीत्ता जाई सकदा ऐ।

(d) दी उत्पत्ति अरबी भाशा दे 'हौर' शब्द थमां होई दी ऐ।

कोड :

(1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

73. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	घटना प्रधानता	(i)	लोक गाथाएं च
(b)	इक्कै छंद होंदा ऐ	(ii)	अर्जत अवचेतन मानस
(c)	शिश्ट साहित्य	(iii)	लोक गीतें च
(d)	मनै ते भांत-सभांते उद्गार न	(iv)	लोक कत्थें च

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

74. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	ओ सच्चेआ, मेरा ध्यान तेरे बल्ल	(i)	खेढ गीत
(b)	तिलकनी तलाई दी, लून-मर्च पाई दी	(ii)	नाच गीत
(c)	बाह् मोरा भेई बाह् मोरा। बदलें पाया घेरा	(iii)	रुत्त गीत
(d)	मनै देआ मैह्रमा, हार पायां फेरा	(iv)	छज्जा नाच

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

75. शंकर समनोत्रा, विशनदास, सुर्य साठे ते खुशीराम शर्मा लेखकें दे–इस क्रम दे स्हाबें इं'दियें पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मनै दा पाप, विधमाता दे लेख, स्वादलियां क्हानियां ते चन्द्रावली

(2) मनै दा पाप, विधमाता दे लेख, चन्द्रावली ते स्वादलियां क्हानियां

(3) चन्द्रावली, मनै दा पाप, स्वादलियां क्हानियां ते विधमाता दे लेख

(4) विधमाता दे लेख, मनै दा पाप, चन्द्रावली ते स्वादलिया क्हानियां

76. बावा सुरगल, लछमन दा जोग, इत्थें ही, ओह् गेई ते उड्डुरी–उड्डुरी पौना–इं'दे साहित्यक रूपें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) बार, कारक, फलौह्नी ते मुहावरा

(2) कारक, बार, फलौह्नी ते मुहावरा

(3) कारक, बार, मुहावरा ते फलौह्नी

(4) फलौह्नी, मुहावरा, कारक ते बार

77. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) लोक कत्थें दी रोचकता कत्थ सुनाने आह्ले दी वर्णन शैली पर निर्भर करदी ऐ।

(R) कत्थ सुनाने आह्ला वर्णन शैली च जिन्नी रोचकता पैदा करग, स्रोता उन्नी गै रुचि कन्नै ओह्दी लोककत्था गी सुनङन।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

78. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) लोक - संगीत दा लोक–गीतें कन्नै बड़ा गूढ़ा रिश्ता ऐ।

(R) डुग्गर दे लोक–गीतें दी हर बनगी दा अपना खास संगीत ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

79. ''आम लोकें च प्रचलत कोई निक्का, पर ठोस बचन, तजरबा जां दिक्खी-सुनियै निश्चित कीती गेदी जां सभनें दी जानी-बुज्झी दी सच्चाई गी प्रगट करने आह्ली कोई निक्की ते संक्षिप्त उक्ति खुआन ऐ।'' एह् परिभाशा दित्ती दी ऐ :

(1) हिंदी - डोगरी शब्दकोश च।
(2) आक्सफोर्ड डिक्शनरी च।
(3) डोगरी - हिंदी डिक्शनरी च।
(4) बृहत् हिंदी शब्दकोश च।

80. चकारा :

(1) लोकनाच दी इक किस्म ऐ।
(2) काठशिल्प दी इक किस्म ऐ।
(3) लोक संगीत दी इक किस्म ऐ।
(4) इक साज ऐ।

81. 'ज्हार हंस' अनूदित पुस्तक :

(a) इक उपन्यास ऐ।
(b) दा अनुवाद कृष्णा शर्मा ने कीते दा ऐ
(c) दा मूल स्रोत गुजराती भाशा ऐ
(d) दा मूल स्रोत जपानी भाशा ऐ

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न।
(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।
(3) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(4) (b) ते (c) ठीक न।

82. 'अनुवाद' :

(a) कला ऐ। (b) शिल्प ऐ। (c) विज्ञान ऐ। (d) दऊं भाशाएं दा ज्ञान ऐ।

कोड :

(1) सिर्फ (a) ते (b) ठीक न।
(2) सिर्फ (b) ते (c) ठीक न।
(3) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

83. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	अनुवाद बुस्सी दी स्ट्रावेरी आंगर होंदा ऐ	(i)	शावरमैन
(b)	अनुवाद मूल दा खाका मात्तर ऐ	(ii)	लक्ष्मी नारायण
(c)	अनुवाद करना जुर्म करने बराबर होंदा ऐ	(iii)	एच.डी. फारेस्ट
(d)	अनुवाद च अनुवाद दी लूस नेईं मौलिकता दी सुगंध होनी चाहिदी	(iv)	मधुकर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

84. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	चन्द्र प्हाड़	(i)	नीलाम्बर देव शर्मा
(b)	लोरे	(ii)	छत्रपाल
(c)	लोकराज	(iii)	मदन मोहन शर्मा
(d)	किन्ने पाकिस्तान	(iv)	सुदेश राज

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

85. 'श्रीमद्भगवतगीता' दे अनुवादकें दा कालक्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) गौरी शंकर भद्रवाही, प्रो.गौरी शंकर, चक्रधर शास्त्री ते रघुनाथ सिंह सम्याल।

(2) प्रो. गौरी शंकर, गौरी शंकर भद्रवाही, रघुनाथ सिंह सम्याल ते चक्रधर शास्त्री।

(3) चक्रधर शास्त्री, गौरी शंकर भद्रवाही, रघुनाथ सिंह सम्याल ते प्रो. गौरी शंकर।

(4) रघुनाथ सिंह सम्याल, प्रो.गौरी शंकर, गौरी शंकर भद्रवाही ते चक्रधर शास्त्री।

86. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) साहित्य दियें बक्ख-बक्ख विधाएं च भाव ते कथ्य इक्कै जनेहा होंदा ऐ।

(R) रूप-भेद बक्ख-बक्ख होने कारण, उं'दा स्वातम ते लोड़ां-थोड़ां बक्ख-बक्ख होई जंदियां न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

नोट : ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ो ते उस दे हेठ दित्ते दे सुआलें दे जवाब देओ :

डोगरी च मौलिक नाटकें दी रचना दे कन्नै-कन्नै अनूदित नाटकें दा खास थाह्र रे'आ ऐ। खास तौरा पर रंगमंच दियां लोड़ां-थोड़ां पूरने आस्तै, केईं नाटककारें दूइयें भाशाएं थमां बी नाटकें दे अनुवाद करियै इस जिम्मेदारी गी नभाया ऐ। सारें शा पैह्ले ठाकुर रवीन्द्रनाथ हुंदे त्रै प्रसिद्ध नाटक-मालिनी, डाकघर ते विसर्जन दे अनुवाद पद्मश्री प्रो. रामनाथ शास्त्री होरें मालिनी, डाकघर ते बलिदान नाएं कन्नै कीते, जि'नेंगी डोगरी संस्था आसेआ प्रकाशित कीता गेआ। धर्मवीर भारती हुंदे नाटक 'अंधायुग' दा डोगरी अनुवाद बी प्रो. रामनाथ शास्त्री होरें कीता। अंग्रेजी नाटक 'मैकबैथ' दा डोगरी अनुवाद 1967 ई.च छपेआ जिसी सत्यपाल श्री वत्स होरें अनूदित कीता। रूसी लेखक मैक्सिम गोर्की दे नाटक दा डोगरी अनुवाद प्रो. रामनाथ शास्त्री होरें 'पतालबासी' नांऽ कन्नै कीता। अनुवाद दे क्षेत्र च प्रो. रामनाथ शास्त्री हुंदा चेचा योगदान रेह्दा ऐ। उ'नें जित्थै प्रादेशिक भाशाएं थमां डोगरी च अनुवाद कीते उत्थै ओह् संस्कृत भाशा थमां अनुवाद करने च पिच्छै' नेईं रेह्। शूद्रक हुंदे नाटक 'मृच्छकटिकम्' दा डोगरी अनुवाद 'मिट्टी दी गड्डी' नांऽ कन्नै कीता।

87. बंगाली थमां होए दा डोगरी अनुवाद ऐ :

(1) प्रतिमा (2) मालिनी (3) मल्लिका (4) जसमां

88. अनुदित नाटक अन्ना युग :

(1) मूलत: हिंदी भाशा दा नाटक ऐ। (2) संस्कृत भाशा दा नाटक ऐ।

(3) महाभारत दे युद्ध थमां पैह्ले दी क्हानी ऐ। (4) रामायण काल दी क्हानी ऐ।

89. अंग्रेजी भाशा च पतालबासी नाटक दा नांऽ ऐ :

(1) सखाराम बाईंडर (2) ए मैन आफ द पीपल

(3) लोअर डैप्थस (4) पीकॉकस गार्डन

90. मैकबैथ नाटक दे लेखक न :

(1) रवीन्द्रनाथ टैगोर (2) शेक्सपीयर

(3) शंभु मित्र (4) बादल सरकार

91. परम्परागत संचार :

(a) च निरंतरता होंदी ऐ।

(b) दे माध्यम लोक जीवन शैली च गै उपलब्ध होंदे न।

(c) च यंत्रें दा प्रयोग नेईं होंदा।

(d) च मनुक्खी व्यवहार दा नियंत्रण नेईं कीत्ता जंदा।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

92. संचार दे मुक्ख तत्व न :

(a) स्रोत (b) विवेचन (c) श्रोता (d) माध्यम

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

93. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) ट्रांजिस्टर	(i) मार्टिन कूपर
(b) रेडियो	(ii) ग्राहम बैल्ल
(c) टैलीफोन	(iii) बावर्डीज
(d) सैलुलर फोन	(iv) मार्कोनी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

94. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) इंडिया गज़ट	(i) 1786
(b) कलकता गज़ट	(ii) 1785
(c) कलकता क्रोनिकल	(iii) 1780
(d) बंगाल जर्नल	(iv) 1784

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

95. जन-संचार माध्यमें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) अखबार, पटे, टैलीविजन ते इंटरनैट (2) पटे, अखबार, टैलीविजन ते इंटरनैट

(3) टैलीविजन, अखबार, इंटरनैट ते पटे (4) अखबार, टैलीविजन, इंटरनैट ते पटे

96. नगोजे, सोहाड़ी, दरेहास ते भगतां दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे वर्गें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) लोक-नाच, लोक-कला, लोक-संगीत ते लोक-नाटक

(2) लोक-संगीत, लोक-नाच, लोक-नाटक ते लोक-कला

(3) लोक-संगीत, लोक-नाच, लोक-कला ते लोक-नाटक

(4) लोक-नाटक, लोक-नाच, लोक-संगीत ते लोक-कला

97. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) वर्तमान समें च संचार माध्यमें दा बड़ी तेजी कन्नै विकास होआ करदा ऐ।

(R) विकास दी इस अ'न्नी दौड़ च नैतिक मुल्ल, कदरां ते सिद्धांत लुप्त होआ करदे न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

98. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जनसंचार दे माध्यम स्हेई मैह्ने च मनुक्खै दी द'ऊं ज्ञान-इंद्रियें अक्ख ते कन्न दे अधार पर गै विकसत होए न।

(R) जेकर मनुक्खै कोल एह् द' मैं ज्ञान-इंद्रियां मनै दे संयोग कन्नै जुड़ी दियां नेईं होंदियां तां सच्चें गै जन माध्यमें दा विकास नेईं हा होना।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

99. जनसंचार दा परम्परागत माध्यम ऐ :

(1) रेडियो (2) पोस्टर (3) कीर्तन (4) फिल्म

100. डाक्यूमैंट्री फिल्में दा मुक्ख उद्देश्य :

(1) सूचना ते शिक्षा देना होंदा ऐ। (2) मनोरंजन करना होंदा ऐ।

(3) काल्पनिक कत्थां दस्सना होंदा ऐ। (4) अपना समान ते सेवा बेचना होंदा ऐ।

- o O o -

Space For Rough Work